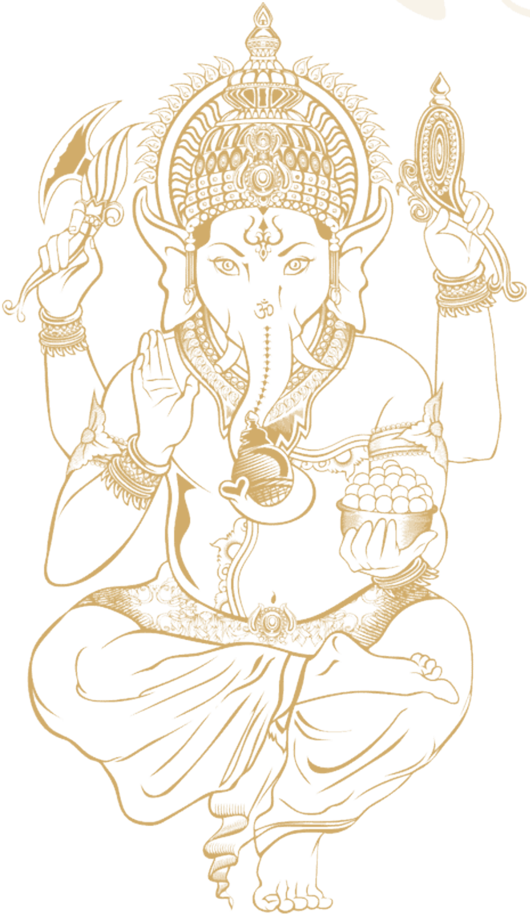

Mr. Nikhil Bhardwaj

Miss. Sakshi Sharma

Model: Horoscope-Matching

Order No: 121952001

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
24/03/2000	जन्म तिथि	06/11/2000
शुक्रवार	दिन	सोमवार
घंटे 22:15:00	जन्म समय	10:20:00 घंटे
घटी 39:31:24	जन्म समय(घटी)	09:09:36 घटी
India	देश	India
Jaipur	स्थान	Dausa
26:53:00 उत्तर	अक्षांश	26:51:00 उत्तर
75:50:00 पूर्व	रेखांश	76:21:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:26:40	स्थानिक संस्कार	-00:24:36 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:26:26	सूर्योदय	06:38:02
18:39:48	सूर्यास्त	17:38:21
23:51:22	चित्रपक्षीय अयनांश	23:51:50
तुला	लग्न	धनु
शुक्र	लग्न लग्नाधिपति	गुरु
वृश्चिक	राशि	कुम्भ
मंगल	राशि-स्वामी	शनि
अनुराधा	नक्षत्र	शतभिषा
शनि	नक्षत्र स्वामी	राहु
1	चरण	2
वज्र	योग	ध्रुव
कौलव	करण	तैतिल
ना-नवीन	जन्म नामाक्षर	सा-सपना
मेष	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	वृश्चिक
विप्र	वर्ण	शूद्र
कीटक	वश्य	मानव
मृग	योनि	अश्व
देव	गण	राक्षस
मध्य	नाड़ी	आद्य
सर्प	वर्ग	मेष

ग्रह अंश एवं विंशोत्तरी

विंशोत्तरी	
शनि 17वर्ष 10मा 14दि	
बुध	
06/02/2018	
06/02/2035	
बुध	05/07/2020
केतु	02/07/2021
शुक्र	02/05/2024
सूर्य	08/03/2025
चन्द्र	08/08/2026
मंगल	05/08/2027
राहु	21/02/2030
गुरु	29/05/2032
शनि	06/02/2035

अंश	राशि		ग्रह		राशि	अंश
28:25:29	तुला		लग्न		धनु	07:52:18
10:29:24	मीन		सूर्य		तुला	20:13:04
04:07:30	वृश्चि		चंद्र		कुंभ	11:00:26
07:20:51	मेष		मंगल		कन्या	07:26:27
13:06:44	कुंभ		बुध	व	तुला	06:25:22
13:41:43	मेष		गुरु	व	वृष	15:06:01
19:59:47	कुंभ		शुक्र		वृश्चि	27:50:49
20:49:50	मेष		शनि	व	वृष	04:41:42
07:33:29	कर्क	व	राहु	व	मिथु	23:59:19
07:33:29	मक	व	केतु	व	धनु	23:59:19
25:29:18	मक		हर्ष		मक	23:04:44
12:10:40	मक		नेप		मक	10:03:27
19:01:19	वृश्चि	व	प्लूटो		वृश्चि	17:48:20

विंशोत्तरी	
राहु 12वर्ष 1मा 20दि	
गुरु	
27/12/2012	
27/12/2028	
गुरु	14/02/2015
शनि	28/08/2017
बुध	04/12/2019
केतु	09/11/2020
शुक्र	11/07/2023
सूर्य	28/04/2024
चन्द्र	28/08/2025
मंगल	04/08/2026
राहु	27/12/2028

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

23:51:22 चित्रपक्षीय अयनांश 23:51:50

लग्न-चलित

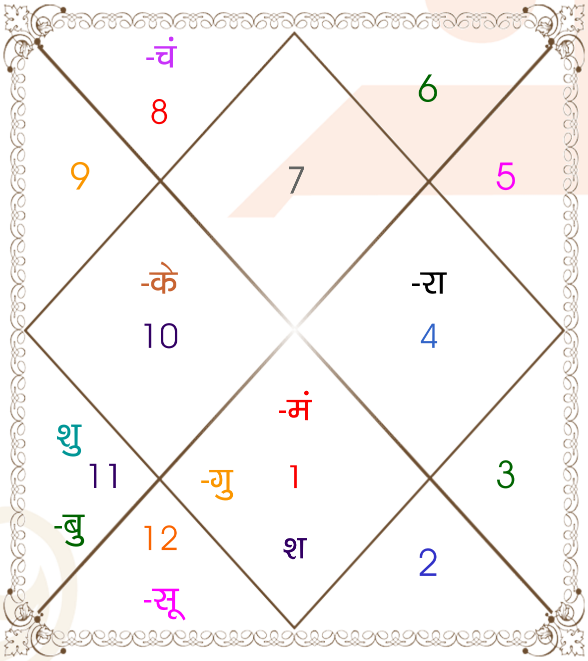

लग्न-चलित

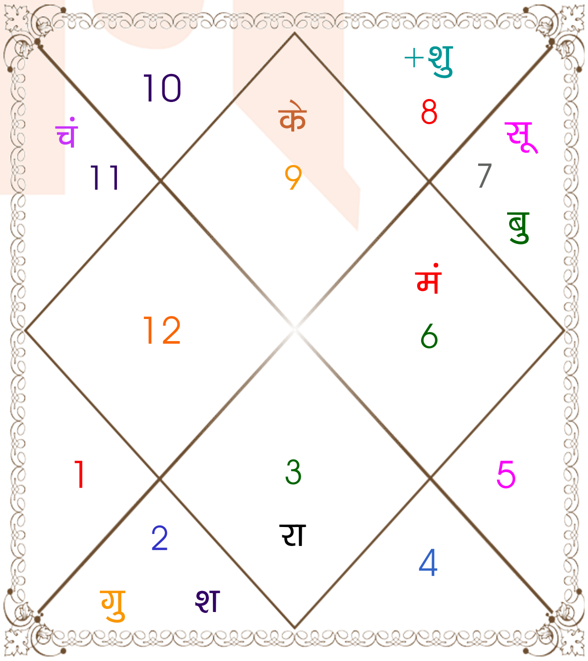

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	विप्र	शूद्र	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	कीटक	मानव	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	विपत	मित्र	3	1.50	--	भाग्य
योनि	मृग	अश्व	4	3.00	--	यौन विचार
मैत्री	मंगल	शनि	5	0.50	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	राक्षस	6	1.00	--	सामाजिकता
भकूट	वृश्चिक	कुम्भ	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	आद्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	23.00		

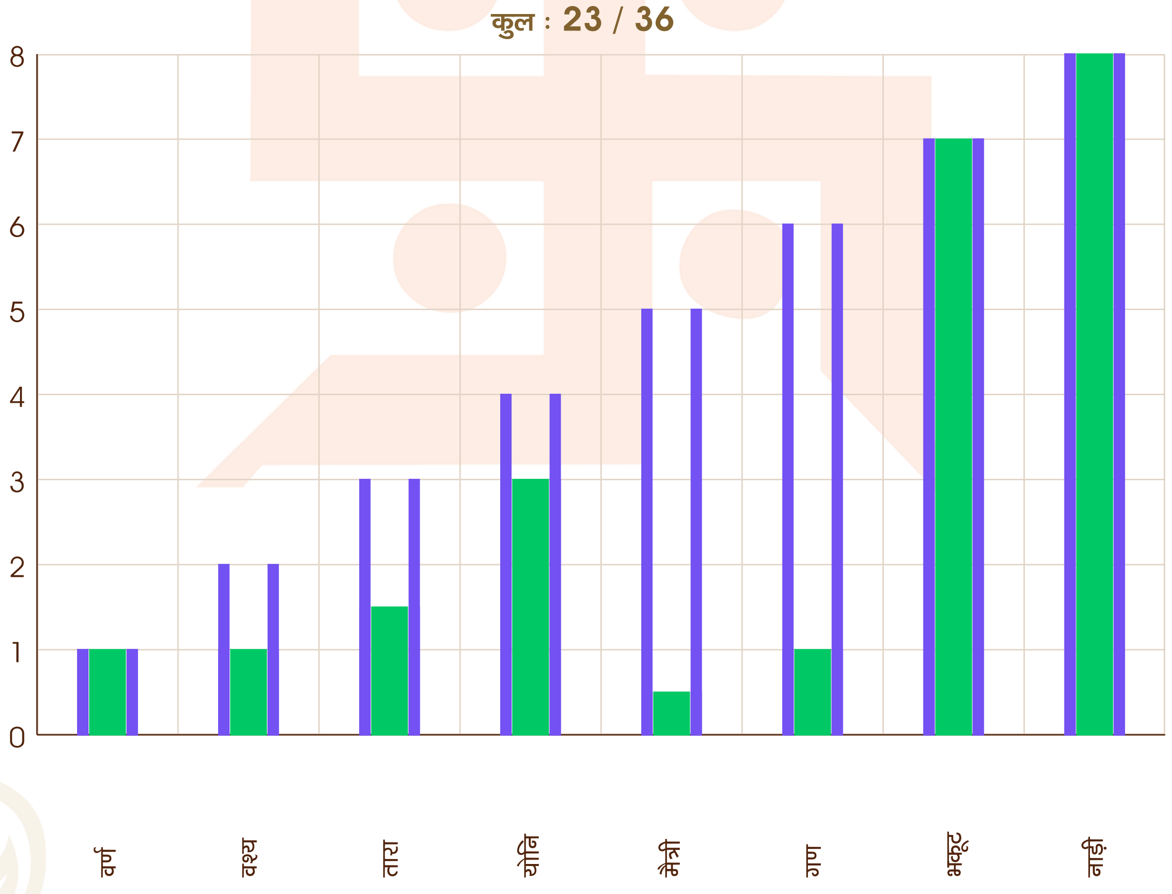

अष्टकूट मिलान

Mr. Nikhil Bhardwaj का वर्ग सर्प है तथा Miss. Sakshi Sharma का वर्ग मेष है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Mr. Nikhil Bhardwaj और Miss. Sakshi Sharma का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

Mr. Nikhil Bhardwaj मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है।

चतुः सप्तमे भौमो मेषकर्कटे निग्रहः।
कुजदोषो न विद्यते।।

अर्थात् चतुर्थ तथा सप्तम भाव में यदि मेष या कर्क का मंगल हो तो कुजदोष समाप्त हो जाता है। क्योंकि मंगल Mr. Nikhil Bhardwaj कि कुण्डली में सप्तम् भाव में मेष राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।
न मंगली मंगल राहु योग।

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं गुरु Mr. Nikhil Bhardwaj कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

Miss. Sakshi Sharma मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में दशम् भाव में स्थित है।

शनिभौमोऽथवा कश्चित् पापो वा तादृशो भवेत्।
तेष्वेव भवनेष्वेव भौमदोषविनाशकृत्।।

यदि एक की कुंडली में जहां मंगल हो उन्हीं स्थानों पर दूसरे की कुंडली में प्रबल पाप ग्रह (राहु या शनि) हों तो मंगलीक दोष कट जाता है।

क्योंकि राहु Miss. Sakshi Sharma कि कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि शनि Miss. Sakshi Sharma कि कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Mr. Nikhil Bhardwaj तथा Miss. Sakshi Sharma में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।

अष्टकूट फलादेश

वर्ण

Mr. Nikhil Bhardwaj का वर्ण ब्राह्मण तथा Miss. Sakshi Sharma का वर्ण शूद्र है। अतः यह मिलान अति उत्तम है। Miss. Sakshi Sharma सभी को मान एवं प्रतिष्ठा देती है तथा सेवा करती रहेंगी। साथ ही वह सबकी अपेक्षाओं को पूरा करती रहेंगी तथा किसी के भी साथ तर्क-वितर्क नहीं करेंगी। Miss. Sakshi Sharma एक नर्स की भाँति अपने पति एवं बच्चों की सेवा एवं तिमारदारी करती रहेंगी।

वश्य

Mr. Nikhil Bhardwaj का वश्य कीट है एवं Miss. Sakshi Sharma का वश्य द्विपद है। जिसके कारण यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। कीट Mr. Nikhil Bhardwaj एवं मनुष्य Miss. Sakshi Sharma के विवाह को स्वीकार्यहै किंतु दोनों के बीच हितों का संघर्ष होता रहेगा एवं सहयोग एवं आपसी समझ की कमी बनी रहेगी। कभी कभी परस्पर शत्रुता की भावना भी विकसित हो सकती है। जो इनके दांपत्य जीवन को बाधित कर सकता है तथा विकास एवं समृद्धि को प्रभावित कर सकता है। Mr. Nikhil Bhardwaj एवं Miss. Sakshi Sharma बीच अक्सर लड़ाई-झगड़े होते रहेंगे तथा कटुता, संदेह एवं तनाव का माहौल बना रह सकता है।

तारा

Mr. Nikhil Bhardwaj की तारा विपत तथा Miss. Sakshi Sharma की तारा मित्र है। Mr. Nikhil Bhardwaj की तारा विपत होने के कारण यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। Mr. Nikhil Bhardwaj एवं Mr. Nikhil Bhardwaj के परिवार के लिए यह विवाह कष्टदायक हो सकता है तथा जिसके परिणामस्वरूप कष्ट, हानि एवं विपत्ति की संभावना बनी रहेगी। यद्यपि Miss. Sakshi Sharma हमेशा अपने पति एवं परिवार के लिए सहयोगी एवं मददगार बनी रहेगी किंतु अपने पति के दुर्भाग्य का शिकार होकर Miss. Sakshi Sharma को भी कष्ट झेलना पड़ सकता है। दुर्भाग्यवश बच्चे भी एवं विपन्नता का शिकार हो सकते हैं।

योनि

Mr. Nikhil Bhardwaj की योनि मृग है तथा Miss. Sakshi Sharma की योनि अश्व है। अर्थात दोनों की योनि समान नहीं है। परन्तु इन दोनों योनि के बीच मित्रता का संबंध है अतः यह मिलान उत्तम मिलान रहेगा। जिसके कारण दोनों के बीच परस्पर प्रेम का भाव रहेगा। वैवाहिक एवं पारिवारिक जीवन में सौहार्द्रपूर्ण वातावरण रहेगा। दोनों एक दूसरे को सहयोग करेंगे। आपसी समझ एवं विश्वास की भावना रहेगी। जिससे अपने पारिवारिक व वैवाहिक जीवन में सभी कार्य आपसी सहमति से करेंगे एवं उनमें सफलता भी प्राप्त करेंगे। जीवन में अक्सर धन प्राप्ति के सुअवसर मिलते रहेंगे। आय के नये-नये स्रोत बनेंगे तथा अच्छी आय के साथ-साथ अच्छी जमापूंजी होगी तथा परिवार में सुख समृद्धि बढ़ेगी। परस्पर प्रेम एवं सौहार्द्र की भावना के कारण दोनों एकदूसरे के प्रति अपनापन महसूस करेंगे। परिवार में शांति का

वातावरण बना रहेगा। साथ ही सभी मनोकामनाओं की पूर्ति होती रहेगी। वर और कन्या का स्वास्थ्य अच्छा रहेगा। इन दोनों से उत्पन्न संतानें योग्य होंगी तथा वे भी अपने जीवन में सफलता प्राप्त करेंगे। इनके जीवन में सफलता इनके कदम चूमेगी। इस प्रकार इनका वैवाहिक जीवन सुखमय जीवन ही रहेगा।

मैत्री

अष्टकूट मिलान में ग्रह मैत्री कूट में Mr. Nikhil Bhardwaj का राशि स्वामी Miss. Sakshi Sharma के राशि स्वामी से सम का संबंध रखता है। जबकि Miss. Sakshi Sharma का राशि स्वामी Mr. Nikhil Bhardwaj के राशि स्वामी के साथ शत्रु का संबंध रखता है। अतः यह मिलान ग्रह मैत्री के विचार से खराब मिलान है। ज्योतिष की दृष्टि से यदि एक साथी का राशि स्वामी दूसरे के लिए सम किंतु दूसरा उसे शत्रु मानता हो तो ऐसा कुंडली मिलान अच्छा नहीं माना जाता है। दोनों के बीच अक्सर लड़ाई-झगड़ा, तनाव, मतभेद, एवं बहसबाजी का भाव बना रह सकता है। ऐसा भी हो सकता है कि यह बहस कभी-कभी हिंसक रूप धारण कर ले। जिससे शारीरिक चोट एवं मुकदमेबाजी के कारण आर्थिक हानि हो सकती है।

गण

Mr. Nikhil Bhardwaj का गण देव तथा Miss. Sakshi Sharma का गण राक्षस है। अतः यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। ऐसी परिस्थिति में Miss. Sakshi Sharma निर्दयी, निष्ठुर एवं क्रूर स्वभाव की हो सकती हैं जो वर, उसके बच्चों तथा परिवार के सदस्यों के लिए बुरा एवं घातक साबित हो सकता है। ऐसी पत्नी से अपेक्षा नहीं की जा सकती कि वह अपने पति, परिवार अथवा सामाजिक दायित्वों का अच्छी प्रकार से निर्वहन करेंगी। Miss. Sakshi Sharma की अक्सर दूसरों से लड़ाई-झगड़ा करना एवं लोगों को उकसाना इसी प्रकार की आदत होगी।

भकूट

Mr. Nikhil Bhardwaj से Miss. Sakshi Sharma की राशि चतुर्थ भाव में स्थित है तथा Miss. Sakshi Sharma से Mr. Nikhil Bhardwaj की राशि दशम भाव में स्थित है जिसके कारण यह मिलान अति उत्तम मिलान है। जिसके कारण Mr. Nikhil Bhardwaj परिश्रमी एवं अपने व्यवसाय में काफी अच्छे होंगे। अपने व्यवसाय में लगन, निष्ठा एवं मेहनत के कारण उन्हें सभी से प्रशंसा प्राप्त होती रहेगी। दूसरी ओर Miss. Sakshi Sharma घरेलू होंगी। अपने आतिथ्य भाव एवं सब का ध्यान रखने तथा बड़ों को सम्मान देने की प्रवृत्ति कारण परिवार के सदस्यों की आंखों का तारा होंगी। पति-पत्नी के बीच असीम प्रेम, सहयोग एवं सामंजस्य बना रहेगा।

नाड़ी

Mr. Nikhil Bhardwaj की नाड़ी मध्य है तथा Miss. Sakshi Sharma की नाड़ी आद्य है। अर्थात दोनों की नाड़ी समान नहीं है, जो कि अष्टकूट मिलान की दृष्टि से दोष मुक्त है। अर्थात यह मिलान अति उत्तम मिलान है। आद्य एवं मध्य नाड़ी का समन्वय अति उत्तम होता है क्योंकि यह जीवनी शक्ति को संतुलित करता है। तीनों जीवनी शक्तियों वात, पित्त एवं कफ का

संतुलन जीवन के अस्तित्व के लिए आवश्यक है। अतः आपकी संतान उत्तम स्वास्थ्य, जनन क्षमता एवं स्वस्थ तथा बुद्धिमान संतान होंगी।

मेलापक फलित

स्वभाव

Mr. Nikhil Bhardwaj की राशि जलतत्व युक्त वृश्चिक तथा Miss. Sakshi Sharma की वायुतत्व युक्त कुम्भ राशि है। वायु एवं जल तत्व की नैसर्गिक विषमता के कारण Mr. Nikhil Bhardwaj और Miss. Sakshi Sharma में स्वाभाविक रूप से असमानता रहेगी। अतः संबंधों में तनाव रहेगा जिससे दाम्पत्य सुख में न्यूनता रहेगी। अतः यह मिलान अच्छा नहीं रहेगा ।

Mr. Nikhil Bhardwaj की राशि का स्वामी मंगल तथा Miss. Sakshi Sharma की राशि का स्वामी शनि परस्पर शत्रु एवं सम राशि में स्थित हैं। सुखी वैवाहिक जीवन के लिए यह ग्रह स्थिति अच्छी नहीं रहेगी। अतः इसके प्रभाव से आपसी संबंधों में कटुता का भाव रहेगा एवं एक दूसरे को सुख दुख में सहयोग प्रदान करने में भी किसी की विशेष रूचि नहीं होगी। साथ ही एक दूसरे के गुणों की उपेक्षा करके Mr. Nikhil Bhardwaj और Miss. Sakshi Sharma कमियों पर विशेष ध्यान देंगे जिससे परस्पर आलोचनात्मक दृष्टि कोण रहेगा। अतः वैवाहिक जीवन में शुभता अल्प मात्रा में ही होगी ।

Mr. Nikhil Bhardwaj और Miss. Sakshi Sharma की राशियां परस्पर चतुर्थ एवं दशम भाव में पड़ती हैं। शास्त्रानुसार यह शुभ भकूट माना जाता है। इससे उपरोक्त अशुभ प्रभावों में न्यूनता आएगी तथा Mr. Nikhil Bhardwaj और Miss. Sakshi Sharma परस्पर प्रेम सहयोग तथा सहानुभूति का भाव रखेंगे। साथ ही कमियों की अपेक्षा गुणों की प्रशंसा करके संबंधों में मधुरता का भाव उत्पन्न करेंगे जिससे दाम्पत्य सुख में प्रसन्नता की अनुभूति होगी। अतः परस्पर सामंजस्य से Mr. Nikhil Bhardwaj और Miss. Sakshi Sharma का जीवन सुखी हो सकता है।

Mr. Nikhil Bhardwaj का वश्य कीट तथा Miss. Sakshi Sharma का वश्य मानव है। मानव एवं कीट में नैसर्गिक विषमता होने के कारण इनकी अभिरूचियों में अंतर रहेगा तथा शारीरिक मानसिक एवं भावनात्मक स्तर पर भी आवश्यकताएं भिन्न रहेंगी। अतः दाम्पत्य संबंधों में भी एक दूसरे को प्रसन्न तथा सन्तुष्ट करने में असमर्थ होंगे।

Mr. Nikhil Bhardwaj का वर्ण ब्राह्मण तथा Miss. Sakshi Sharma का वर्ण शूद्र है। अतः Mr. Nikhil Bhardwaj की प्रवृति शैक्षणिक एवं धार्मिक कार्यो में रहेगी जबकि Miss. Sakshi Sharma किसी भी कार्य को ईमानदारी तथा परिश्रम से सम्पन्न करने में तत्पर रहेंगी।

धन

Mr. Nikhil Bhardwaj और Miss. Sakshi Sharma दोनों की तारा परस्पर सम है। अतः आर्थिक स्थिति पर इसका कोई विशेष प्रभाव नहीं होगा तथा सामान्य गति से धन एवं लाभ अर्जित करने में दोनों तत्पर रहेंगे। भकूट भी सम ही रहेगा जिससे उनके लाभमार्ग स्वबुद्धिमता एवं परिश्रम से प्रशस्त रहेंगे। मंगल का भी उनकी आर्थिक स्थिति पर कोई दुष्प्रभाव नहीं होगा। इस प्रकार उनके अर्थिक स्तर पर कोई विशेष नाटकीय परिवर्तन की संभावना नहीं होगी परन्तु सामान्य जीवन धनऐश्वर्य से युक्त होकर व्यतीत होगा।

इसके साथ ही कोई विशेष या अचानक लाभ के योगों में भी न्यूनता होगी तथा आर्थिक स्तर अपने ही अनुकूल रहेगा जिससे वे आर्थिक रूप से सन्तुष्टि की अनुभूति करेंगे।

स्वास्थ्य

Mr. Nikhil Bhardwaj की नाड़ी मध्य तथा Miss. Sakshi Sharma की नाड़ी आद्य है। अतः अलग अलग नाड़ियों में जन्म होने के कारण इनके स्वास्थ्य पर कोई दुष्प्रभाव नहीं होगा तथा गंभीर समस्याओं से ये सुरक्षित रहेंगे परन्तु Miss. Sakshi Sharma के स्वास्थ्य पर मंगल का अशुभ प्रभाव विद्यमान होगा। इसके प्रभाव से वे रक्त या पित संबंधी रोगों से समय समय पर कष्ट की प्राप्ति करेंगी। साथ ही गुप्त या धातु संबंधी रोगों से भी उनको जीवन में यदा कदा परेशानी की अनुभूति हो सकती है। अतः मंगल के इस दुष्प्रभाव को समाप्त करने के लिए हनुमानजी की उपासना करनी चाहिए तथा मंगलवार के उपवास रखने चाहिए। इससे उपरोक्त समस्याओं में न्यूनता आएगी।

संतान

संतति प्राप्ति की दृष्टि से Mr. Nikhil Bhardwaj और Miss. Sakshi Sharma का मिलान उत्तम रहेगा। इसके प्रभाव से उन्हें उचित समय पर संतति की प्राप्ति होगी तथा इसमें अनावश्यक विलम्ब भी नहीं होगा। साथ ही बच्चों के जन्म में भी सामान्य अंतर रहेगा जिससे उनका पालन पोषण उचित ढंग से करने में आसानी रहेगी। इसके अतिरिक्त Mr. Nikhil Bhardwaj और Miss. Sakshi Sharma के पुत्र एवं कन्या संतति की संख्या समान होगी।

प्रसव के विषय में Miss. Sakshi Sharma के मन में पहले से ही अनावश्यक भय की अनुभूति रहेगी लेकिन Miss. Sakshi Sharma को इस विषय में किसी भी प्रकार की चिन्ता नहीं करनी चाहिए तथा सामान्य रूप से गर्भावस्था का समय व्यतीत करना चाहिए। प्रसव काल में Miss. Sakshi Sharma को प्रसूति या अन्य किसी भी प्रकार की चिकित्सा की आवश्यकता नहीं पड़ेगी तथा सुदंर स्वस्थ एवं आकर्षक बच्चों को जन्म देने में सफल होंगी। साथ ही स्वयं भी स्वस्थ एवं प्रसन्नता की अनुभूति करेंगी।

संतति पक्ष से Mr. Nikhil Bhardwaj और Miss. Sakshi Sharma सन्तुष्ट तथा प्रसन्न रहेंगे तथा बच्चे अपने क्षेत्र में अपनी बुद्धिमता तथा योग्यता से उन्नतिमार्ग पर अग्रसर होंगे। साथ ही व्यवहार कुशलता का गुण भी उनमें विद्यमान रहेगा। माता पिता के प्रति उनका पूर्ण आदर तथा आज्ञापालन का भाव रहेगा तथा उनकी इच्छा के विरुद्ध वे कोई भी कार्य सम्पन्न नहीं करेंगे। इस प्रकार Mr. Nikhil Bhardwaj और Miss. Sakshi Sharma का पारिवारिक जीवन सुख शांति तथा प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत होगा।

ससुराल-सुश्री

Miss. Sakshi Sharma के अपनी सास के साथ संबधों में मधुरता रहेगी तथा इनके मध्य परस्पर सामंजस्य भी रहेगा। साथ ही सास से Miss. Sakshi Sharma को कभी भी कोई परेशानी या समस्या का सामना नहीं करना पड़ेगा। Miss. Sakshi Sharma भी उनकी सुख सुविधा का पूर्ण ध्यान

रखेंगी तथा सेवा करने में सर्वदा तत्पर रहेंगी।

ससुर पक्ष से Miss. Sakshi Sharma को यदा कदा अनावश्यक समस्याओं तथा परेशानियों का सामना करना पड़ेगा एवं वे सन्तुष्ट तथा प्रसन्न अल्प मात्रा में ही रहेंगे। तथापि उनका हृदय जीतने के लिए Miss. Sakshi Sharma उनकी सेवा तथा सुख सुविधा का पूर्ण ध्यान रखेंगी एवं परस्पर सामंजस्य स्थापित करने के लिए भी तत्पर रहेंगी। साथ ही देवर एवं ननदों से भी Miss. Sakshi Sharma के मधुर संबध नहीं रहेंगे तथा परस्पर स्नेह एवं सहयोग के भाव की भी न्यूनता रहेगी। इसके अतिरिक्त परस्पर प्रतिद्वन्दिता तथा आलोचना का भाव रहेगा।

सामान्य रूप से सास ससुर का Miss. Sakshi Sharma के प्रति अनुकूल दृष्टिकोण रहेगा तथा परिवार में उसकी महता को स्वीकार करेंगे।

ससुराल-श्री

Mr. Nikhil Bhardwaj के सास से सामान्यतया मधुर संबध रहेंगे तथा उनके प्रति मन में पूर्ण श्रद्धा तथा सेवा की भावना विद्यमान रहेगी। साथ ही सास को अपनी माता के समान आदरणीया समझेंगे। वह सपत्नीक अवसरनुकूल ससुराल में उनसे मिलने भी जाया करेंगे तथा अपने मन में कभी श्रेष्ठता की भावना नहीं लाएंगे जिससे संबध अनुकूल रहेंगे।

ससुर के साथ में Mr. Nikhil Bhardwaj के संबध विशेष अनुकूल नहीं रहेंगे तथा आयु में काफी अंतर होने के कारण उनके आपस में मतभेद होंगे लेकिन यदि दोनों परस्पर सामंजस्य की प्रवृति एवं बुद्धिमता से व्यवहार करें तो संबधों में मधुरता का भाव आ सकता है। साथ ही साले एवं सालियों से भी संबधों में अनुकूलता रहेगी तथा एक दूसरे के प्रति पूर्ण सम्मान स्नेह तथा सहयोग का भाव रहेगा तथा मित्रता की भी भावना रहेगी जिससे एक दूसरे को समझने में सफल रहेंगे।

इस प्रकार ससुराल का दृष्टिकोण Mr. Nikhil Bhardwaj के प्रति सकारात्मक रहेगा तथा Mr. Nikhil Bhardwaj भी मधुर संबधों को बनाने में नित्य यत्नशील रहेंगे।